ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

26-12-2024

श्रेष्ठ कर्म की निशानी है – स्वयं सन्तुष्ट और दूसरे भी सन्तुष्ट। ऐसे नहीं – मैं तो सन्तुष्ट हूँ, दूसरे हों या नहीं हो। योगी जीवन वाले का प्रभाव स्वतः दूसरों के ऊपर पड़ेगा। अगर कोई स्वयं से असन्तुष्ट है या और उससे असन्तुष्ट रहते हैं तो समझना चाहिये कि योगयुक्त बनने में कोई कमी है।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

The sign of elevated actions is for the self to remain content and for others to remain content. It should not be: "I am content, regardless of whether others are content or not." Those with a yogi life definitely influence others. If someone is discontent with the self, or if others are discontent with someone, then understand that there is something lacking in being yogyukt.